

॥ वरु विरुद्रय विमदुम अन्नायल मरुतवनि ॥ ॐ
॥ ० ॥ वाग ॥ विद्वत्सभावेरु दिनकरमशुल ला
उमगि युवनजननि रवकर कन वृत्तवितिनयन मान
वृत्तमन कन्दनि ॥ द विरुद्रय कथावधवा रुषिभनव
रिवमाना एक मयक निम दूयिमाया वाजयिनावयि
रुद्रगवृषिनि ॥ च विरुद्रय कर्षु कर्षुल कर्षु कर्षुल

ववि ववि वष्वन ॥ १ ॥ ह ॥ ३३ यिसय वीस सा वृ न ॥
 धर ॥ ० ॥ वाण धना णी ॥ स वा का गाम हा सुख क न
 यिः वव भान न द दा हानि २ गिरु व न न रु लि मा ड म हा सु
 स या याः व ल स र्च द यि म लि या ॥ न या य वि ना न य वु मि
 २ गिरु व न न रु क स न य नि २ स र्वे वि क य वि ध स न द वि
 अ न ग व ह न व व द य नि ॥ धर ॥ अ मि ना ह म ल ल ड

द या थि मिः क र्पो न व सि ल ल यि नि २ क व नि ष य व र य
 ल्यार्ग धा विः य ह ष्य न व ल द य नि ॥ धर ॥ दि ग म्ब क
 याम क ग क सिः व वि क ल ल क मि धा व नि २ म य व व
 ला व क स ग वाः वा व व ड न ल सि व मा वा ॥ धर ॥
 स र्वे ग धा ग ग ड न लि द विः वि व हि ग ता वा २ वा व

जजागानिचलनसि यणः गमयिसमचसं वडा॥

५२ ॥ ० ॥ वागविगास॥ बाललंजनि॥ धयधयदूधयधयध
यं रक्षाययधययवकीसिया॥ मर्दमर्दवजुधुकुसमय॥ कुदुयुजागस
वीयवय॥ कुवु कुवु वजधर्मसमय॥ २० श्री लालिकवलीवय॥
कुजलि कुजलि ददवय॥ सुसमावचसित कमलवय॥ वजसूज
शृङ्गाने कभा २ विधमयसमय सदागमर्द॥ वगनाधकववव

जाः यकलिकल कमालधय॥ गमयगनिस्यतावयवर्म २ सा
सगसद ड सतावधय॥ नंदिनदि दिनडिकसमय॥ कायनिव
ननचुचव वय॥ हं हं हि दीयल धुकुसुगता २ मयलमठिग
यलवसुख॥ हं रुठ अठिभः चलनवलीः यलमासिहलनवज
जिवः॥ ॥ वागमूर्तुकी॥ कालेयधम॥ बालमा ०॥ हादा
शरवः॥ कियहं वसुखः धययिकवलीयहसा २ रुठ वली

एतन्निष्ठुयामूसानमूकककडादिगम्यवा॥ यत्रमात्रसंख्यवयाय
:सरुजसुदत्रमात्रुका वा २ रुमविवाहि यः वजवावाहि
रुजमहिभाकरसया॥ ६॥ लिगाजनवत्रसुहमयन
कयलतलयिगम्याना २ गगधनिवावर् वन्धिवक्रा मनुमव
लरावल्लिना॥ विप्रधनयागवृ क्कादि (गलोसम्यल युविसयि शुभ
तडावा २ रुमविवाहि यः वजवावाही रुद्रविनूयषद्वज्रधन

गावैत्पलीलावजक यियालिर्गण सनगुक्चवणआवाधी॥
समयानन्द रुलि (गत्रामकुल संख्यवजवावाही॥ ७॥
॥-ॐ-॥ वागमात्रुगा॥ ठावक नि ॥ चकाचकीमादिल द
हिनीयव्याली २ रुथिकाल अभाद्य सिद्धि वगनसंमायः॥
उपाहल वजकवालि २ षण्डनकादिल नीलवर्णस्यता
व॥ ८॥ रुथिकाल आकाशिरुक्च सरुजस्यराय २ सर्वसत्य

श्रीकृष्ण

उधाराय गीतचक्रामुः ॥ यवन आगत कः धधारा ॥
२५ द्वायाय उधाराय उमरु खडा (गः ॥ मानुशा रुक रुक
ल उमरु दकला (ग २ रान गि (गः ॥ मिनी अरा वन राय ॥
५२ ॥ ॐ ॥ नाग गुरुग ॥ ठाल नकज डि ॥ चकि कृष्ण ल
कथिवाय के मष नरु धिरु गा वरु दवन ल मित्र माना २ ठा
नवकयकी लिया रम विरु धिरु गगन मा हालि वन्दु लिव

ला ॥ अमम सखि रुक व दमा रुका ना रु (गन नु सरुज उ ला
ना ॥ वज्रक यो ठक रुथ कथ थि लङ्ग रुथ ला (ग २ सय गडा
गिनी कमन वि ला मि (गना महा सरुव म लिपु मा दे ॥
वज्रवा ना सी गालि गगन ममन नाच यि वरु विरु र (ग २ या
कृ लिकाल यि क्री द नि रुक व अर्द्ध रु वरु लन य सा दे ॥
सरुज सरु रु लिया गा वरु कर्णु पा रु रु वरु लन य सा दे

५८
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

मानि मुक्ताय चालि मालवव्या पियात्र शा सं मा धि शा म म्वन
मा धि कालवक हं वजा वि श्वे रात्र थया २ नाना वा धिसल्य अ
वादनं वा विमानवव्या पियात्र ३॥ मिहनादवा क्रियात्र उ
मचूवाजन पियात्र अथुया गिलादि पियात्र २ जीर्ण धनियुता
कलुया गाव पिया चालि मानववव्या पियात्र ॥ ५४ ॥
ॐ ॥ नागवला ॥ ठालज नि ॥ डदि रुवन कम वा मन

३५

ॐ किञ्चन ललितगयदवलङ्गिता २ निम्नलसुदयक २८५ मय
 ३ नाथा देदिश्रुगयवल्लयदामोभा ३० कृष्णदिदेयुगय ३१ मलना
 ३२ २ विरुवनवापिगजगगदधलिया ३३ यदासामिदुगमेलाकेइव
 ३४ याशाकनकनगनमदिहात्रविरुषिग ३५ कनकसुगवुनधालि
 ३६ २ वामकमलधलवल्लदक्षारगवद ३७ सरुजानन्दमन्त्रिधवा
 ३८ शासलनलयक किनल्लगदपुठिया ३९ ललागवल्लनधिनध

2854

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पुष्प ५०

पयिगुलननवकाधय २ माययावकादि सगलधविवाया ना
हासमायाविष्टुन्दथ ॥ ५२ ॥ ददुदिरुदसहैकावय यलमा
मिदहाकाधय २ आसायुन दानयकिन मानविद्यननिववा
लून ॥ ५३ ॥ शिवजसन्ध आवाधियाय अनुरुचसिद्धि माह
यदागा ॥ ५४ ॥ ॐ ॥ वागमधसग ॥ युमादिगणादिदश
सुमिष्टुन्दविसन मेयूमशुलसल्लिगवयना २ द्वादशानुड

यवुवदनसमारा वडवायादि आलिर्गल ॥ ह्रुह्रुह्रुददु
नुवने मानसयनसवाधियाय २ द्वादशालिगल अद्वयम
रावि नाययिदानसम्बन्धयाया ॥ कलिसयलु गजवर्मा वि
गूया कवगिदमव धुरसाशिना २ मद्ययुपिसरकपात्रख
लीग पाणयनलु वक्रहियधया ॥ ५५ ॥ यरुडिनवनमक
गकुलीकन खलमुडा आरायल ह्रुषिना २ अलिकालि उयि

जालिध वाययि यादुवर्म निव्यसनक सुगन ॥ ५५ ॥ निव
सिन मानालम्वशीसम्वन दिव्यचक्र गिनि केवलीदिया शजल
५५ मजनम भावु रुद्रयुविमव ॥ ५६ ॥ गववययवमाशवजगीगाः ॥
५५ ५५ ॥ योगजलिग ॥ वरवववसंभवा पिगवेलु भकमुख
५५ विविगारवन जुमनिया शकन कस दधन वासकल क्षालि रु
५५ दिगपूरय मूदा सगाम्वना ॥ ५७ ॥ वजिरवद्वे आस्तसागत्र ॥ ५८ ॥

वजद्वर निव्यमद निशुद मदनित वजिरव वजवम्वद्वे ॥ वि
धरालमयव निव्यलरववु ॥ ५९ ॥ दिमानलि वद्वमध्ययुडा
गुमक्रगी वजमल्ययुडिग शमगुलकसूसाभय ॥ ६० ॥ भय दीदी
द्वेसादा ॥ ६१ ॥ निमिमी ॥ ६२ ॥ भन इदिग पागाववद्वे विवि
मिडयदान यजयामि ॥ ६३ ॥ भन मिद्व मनिमानवव रज
नि दविशावसंभवा मगुलम्यामि ॥ ६४ ॥ गगगुववन

कमचरित्रधनिगा गवने मायार्थसंयमयना २ रुमिह
 धनविभिगस्य रुचदिसर्वसमान गवने ॥ ५२ ॥ ॥ ॥
 नाशरेवयी ॥ निम्नोनाम्बुड मध्यगग कथ ॥ ५३ ॥ ॥
 य याविधूनिगा २ विधमयगतिन यकपल्वामनि निल
 वल्वजड निवसिथापिया ॥ ५४ ॥ ॥ कलरुवडा ॥ ५५ ॥
 नाहिगा कर्मवड सदिन युद्धोस्वयपि २ वड षिआरिमग

यविधूनेदुगना रावसेमदसगवध विमय रुवना ॥ ५६ ॥
 नाग यकगु २ वडिगा यक विगतिरदिन वृत्तकाय २ ददि
 मदलगग वड प्रसमसवय विरुवन सममस सायाय विगु
 दिना ॥ ५७ ॥ रायकि मदलगग संखससाभिगा भवयवगु
 सिद्धिप्रसंसादिगा २ रुवदवगन द्य ० धाप्रनादिगा १
 इपनस्वयमिति विगुडनति ॥ ५८ ॥ ॥ ॥

भाइ ॥ यथै वृक्षात्मक सर्वे उपाय २ युध्यक भाग क
थिन कदिय ॥ ओक हि नकु मेरा सुरुनामा ॥ तिरपि नकु
मन कलमपन ॥ जालि कयाने मगापिन किइ २ मथे चलि
यल रुद चलि ॥ वृक्ष चलि चलि वृक्ष गुन ॥ वृक्ष २ नकु निदा
न रु विरु सय व ॥ वृक्ष गिऊन जलोपलि मय गिरु नद वृक्ष
२ वृक्ष विरु रावनया विरु विरु मिद सकल युभाद ॥ गेना
दे २ गेना दे गेना गत दे दे दे ॥ धर ॥ धर ॥

ॐ वा ग र ल वि ॥ रुल सिव मयुग कि वल मलिता गिन व
वन रुग २ साहिय वज सन यय म ॥ वृक्ष यड मय व ॥
गार सुनि वरु विथि कथ गार द रुधर ॥ वा विरु रुग
वालि गुगुगन यम रुग ॥ धर ॥ गिरु वन जालि गम वृति
जुन यायन विन यव वि ॥ नाव विरु सन यय म ॥ वृक्ष
लिन व वि ॥ यस्मि सरु रु कि व ॥ द गम सय सा हा सर्व वि